पंजाब केसरी 17/10/2024

साइबर सुरक्षित भारत अभियान के तहत जी.एम.एन. कॉलेज में हुआ व्याख्यान

अम्बाला, 16 अक्तूबर (बलराम): छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज में नैशनल साइबर सिक्योरिटी माह के अंतर्गत ए.आई.सी.टी.ई. के दिशा-निर्देशानुसार कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग द्वारा एम.बी.ए. विभाग के सहयोग से साइबर सिक्योरिटी विषय पर ऑनलाइन मोड में विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया।

यह आयोजन कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. श्याम रहेजा, डीन डा. प्रबलीन कौर एवं एम.बी.ए. विभाग की विभागाध्यक्ष डा. भारती सुजान के दिशा-निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पंजाबी विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के डा. धवलीश रत्न ने बताया कि साइबर सुरक्षा का मतलब है डेटा, नैटवर्क, प्रोग्राम एवं दूसरी सूचनाओं को अनाधिकृत पहुंच, विनाश या बदलाव से बचाना।

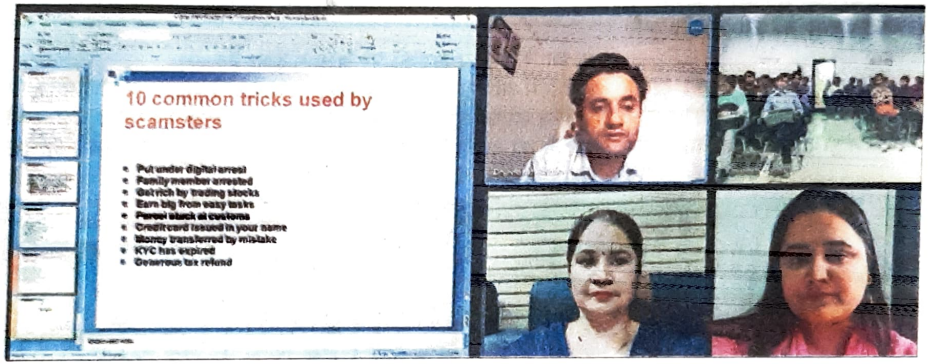

जी.एम.एन. कॉलेज में साइबर सिक्योरिटी विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान में भाग लेते प्राध्यापक।

साइबर सुरक्षा की वजह से सूचनाएं सुरक्षित रहती हैं और सिस्टम वायरस से भी सुरक्षित रहते हैं। साइबर सुरक्षा के कई फायदे हैं, जैसे कि संगठन को व्यापक डिजिटल सुरक्षा मिलती है, कर्मचारियों के बीच इंटरनैट का इस्तेमाल करने में लचीलापन आता है और व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रहती है।

साइबर हमलों का मकसद, आम तौर पर संवेदनशील जानकारी तक पहुंचना, उसे बदलना या नष्ट करना होता है। साइबर हमलों में रैनसमवेयर का इस्तेमाल करके भी पैसे ऐंठे जाते हैं। इसलिए अगर किसी कंपनी द्वारा व्यक्तिगत जानकारी या डेटा मांगा जाता है तो फोन काट दें और उनकी आधिकारिक वैबसाइट पर दिए गए नंबर से उन्हें वापस कॉल करें।

कंपनियां फिशिंग योजनाओं, रैनसमवेयर हमलों, पहचान की चोरी, डेटा नियम उल्लंघनों और वित्तीय नुकसानों से बचाव के लिए इस अभ्यास का उपयोग करती हैं।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. कमलप्रीत कौर ने रिसोर्स पर्सन का सभी विद्यार्थियों के उचित मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद किया।

प्रो. कवांश, प्रो. प्रियंका एवं प्रो. योगिता ने को-आर्डिनेटर की भूमिका बखूबी निभाई। इस कार्यक्रम में बी.सी.ए., एम.सी.ए. एवं बी.बी.ए. के लगभग 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया और साइबर सिक्योरिटी विषय पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की।